exam 18
study differently

ICSE CLASS 10

PRELIM PAPERS

OF BEST SCHOOLS FOR 2018 BOARD EXAMS

FREE SAMPLE PAPER – HINDI

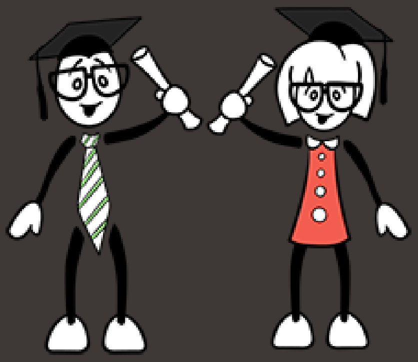

Digital Download

G.D.S.M School
PRELIMINARY EXAMINATION: Hindi

Date: 07/01/2017 Marks: 80
Std: X Time: 2Hrs

Question 1

प्रश्न 1 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में हिन्दी में एक प्रस्ताव लिखिए । (15)

क) नोटबंदी और देश के भ्रष्टाचार पर अपने विचार देते हुए सुझाव दीजिए कि इस विषय में देशवासियों की क्या भूमिका होनी चाहिए।

ख) अपने जीवन का लक्ष्य बताततये हुए लिखिए कि आप पढ़-लिख कर क्या बनना चाहते हैं और क्यों ? उसके लिए आप क्या-क्या प्रयास कर रहे हैं ?

ग) प्राय: माना जाता हे कि झूठ बोलना आसान है। पर जब एक झूठ को छिपाने के लिए और भी कई झूठ बोलने पड़ते है तब वह झूठ एक मुसीबत का रुप धारण कर लेता है – इस कथन को आधार बनाकर एक मौलिक कहानी लिखिए।

घ) ईश्वर जो करता है अच्छा हीकरता हैं – उक्ति को आधार बनाकर कोई कहानी लिखिए।

ड) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान में देखीए और चित्र को आधार बनाकर एक प्रस्ताव लिखिए जिसका साधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए।

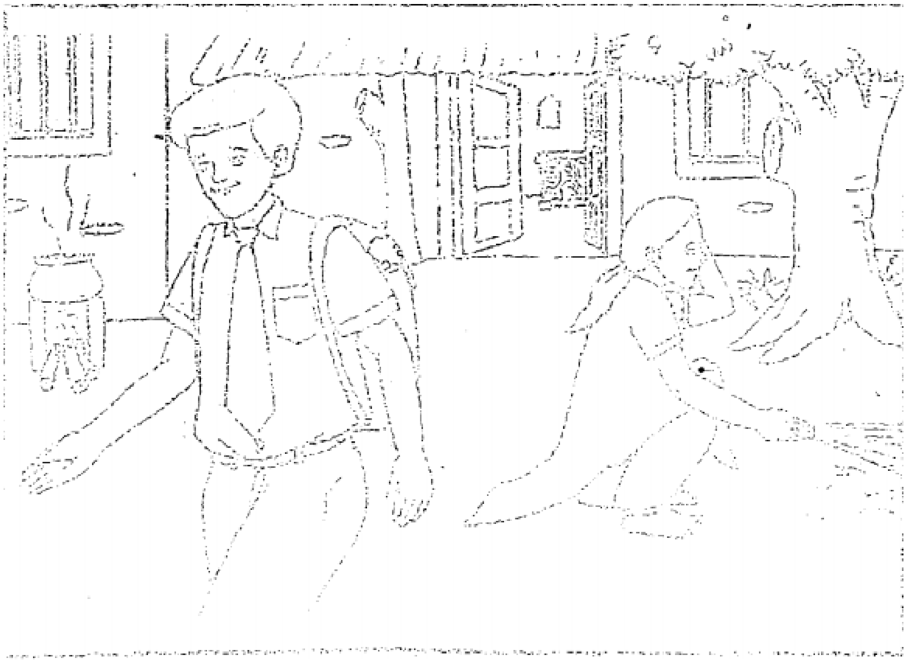

Question 2

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए । (5)

अपने मित्र को पत्र लिखकर बताइए कि आपका प्रिय नेता कौन है और क्यों ?

अथवा

विद्यालय में कुछ नियम आपको असुविधाजनक प्रतीत होते हैं। प्रधानाचार्य को पत्र लिखकर उन नियमों में परिवर्तन की माँग कीजिए। साथ ही बताइए कि वे नियम विद्यार्थियों के लिए अनुपयोगी क्यों है ?

Question 3

प्रश्न 3 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दो में होने चाहिए।

उज्जैन नगरी में महाराजा विक्रमादित्य की सवारी निकल रही थी। महाराज की सवारी एक ऐसे भवन के सामने जा पहुँची, जो अधिकांश भवनों से भव्य था । महाराज ने अपने महामंत्री से पूछा, "यह भवन किसका है?" महामंत्री ने बताया कि वह भवन सदानंद नाम के एक ब्राम्हण का है, जो पिछली दीपावली के दिन आपसे दान माँगने आया था । महाराज को तुरन्त उस घटना का स्मरण हो आया। जब एक दुबला- पतला, भूखा- नंगा वृद्ध सदानंद उनके दरबार में दान माँगने उपस्थित हुआ थां।

विक्रमादित्य आश्चर्य में पढ़ गए कि मैंने तो ब्राम्हण को मात्र दो मुद्राएँ दी थी , फिर यह चमत्कार कैसे हुआ ? विक्रमादित्य के सामने पिछले वर्ष का वह दृश्य उपस्थित हो सका जब सदानंद दरबार में आया था। राजा ने ब्राम्हण की दीन – हीन दशा को देखकर कोषाध्यक्ष को एक अंजलि स्वर्ण मुद्राएँ ब्राम्हण को देने को कहा। सदानंद ने विनम्रतापूर्वक कहा, "महाराज मै ये मुद्राएँ नहीं ले सकता।" यह सुनकर महाराज को आश्चर्य हुआ टौर क्रोध भी आया, परन्तु उन्होंने शांत भाव से पूछा, "ब्राम्हण देवता, आप ये मुद्राएँ क्यों नहीं लेना चाहते है ? " सदानंद ने उतर दिया, "महाराज इसलिए क्योंकि ये मुद्राएँ आपकी नहीं है।" महाराज को क्रोध आ गया उन्होंने कठोर स्वर में कहा, "यह राज्य मेरा है। राज्य के खजाने पर मेरा अधिकार है, तब ये मुद्राएँ भी मेरी हैं।" सदानंद ने कहा, "महाराज, आप प्रजा के सेवक है और यह उन्नति भी प्रजा की ही है। महाराज बोले, "ब्राम्हण देवता, आप भी तो प्रजा के भाग हैं, तब तो आप ये मुद्राएँ ले सकते हैं।" ब्राम्हण बोला, "मैं व्यक्ति हूँ, समाज नहीं, इसलिए समाज की सम्पत्ति पर मेरा कोई अधिकार नहीं है।"

यह सुनकर विक्रमादित्य मौन हो गए, फिर कुछ सोचकर बोले, "इस प्रकार मेरे ऐसा कुछ नहीं है जिसे मै अपना कहकर किसी को दे सकूँ। मुझे तो अपने राज्य का आर्थिक निर्धन कोई अन्य व्यक्ति नहीं दिख रहा। "

सदानंद ने निर्भीक वाणी मे ंउत्तर दिया, "महाराज, निधेन वह नहीं है, जिसके पास धन नहीं हे, अपिंतु वह है जिसने परिश्रम से मुँह मोड लिया है। आपके पास पुष्ट हाथ है, कुशाग्र बुद्धि है, संयमित मन है, फिर आपको निर्धन कहाँ जा सकता है।" ब्राम्हण की इस प्रकार की बाते ंसुनकर सभासदों को क्रोध आ गया, कुछ ने तो उठकर म्यानों से तलवारें खींच लीं। महाराज ने सभासदों को शांत करते हुए कहा, आप ठीक कहते हैं ब्राम्हण देवता। मुझे एक समय से राज्य के शासन का कार्य सौंपा हुआ है, किन्तु याद नहीं आता कि मैंने जनता के समक्ष कभी कोई ऐसा उदाहरण रखा है। जिससे लोग अपनी दरिद्रता दूर करने की चेष्टा करें । जब राजा ही परजीवी हो गया हो, तो आम आदमी क्या करे।"

ब्राम्हण ने कहा, "महाराज राजकोन का धन आपका नहीं है , परन्तु आपका परिश्रम तो आपका है। आप अपने श्रम से मुझे यदि दस कौड़ियाँ भी कमाकर देंगे, तो मेरी पीढ़ियों का उद्धार हो जाएगा।" महाराज सोचने लगे कि अपने ही राज्य में उन्हें कौन काम देगा? रानी से विचार करने के बाद उन्होंने योजना बनाई और वेश बदलकर बाजार की ओर चल पड़े। सुबह जब वे राजमहल लौटे, तो बुरी तरह थके हुए थे, लेकिन चेहरे पर अभूतपूर्व प्रसन्नता थी और दोनों की मुट्ठी में चमक रही थी एक – एक मुद्रा, जो उन्होनें सारी रात एक भड़भूजे का भाड़ झोंककर कमाई थी। दो मुद्राओं का दान लेने वाले ब्राम्हण की ऊँची अट्टालिंका में महाराज को आश्चर्य में डाल दिया। सदानंद भी महाराज की सवारी देखकर अपने परिसर सहित घर से बाहर आया। ब्राम्हण जो सामने देखकर महाराज हाथी से उठाएँ और उत्साहपूर्वक सदानंद से गले मिले और कहा कि आपकी सम्पन्नता देखकर मै बहुत प्रसन्न हूँ। सदानंद ने कहा, "महाराज यह आपको अनुग्रह का ही फूल है। यदि आपने मुझ पर कृपा कर श्रमदान न किया होता, तो अपने अकर्मण पुत्रों को श्रम का महत्व कैसे बता पाता।" महाराज ने कहा, "किन्तु दो मुद्राओं से किसी का क्या भला हो सकता है।"सदानंद ने कहा, "महाराज यह उन दो मुद्राओं का ही फल है जिन्होंने मेरे पुत्रों को श्रम का महत्व सिखला दिया ।"

प्रश्न 1) महाराज विक्रमादित्य को कब, किस घअना का स्मरण हो पाया ? (2)

2) राजा विक्रमादित्य के क्रोधित होने का क्या कारण था? (2)

3) समाज की सम्पत्ति पर मेरा कोई अधिकार नहीं । कहानी को ऐसा क्यों और किसलिए कहा ? (2)

4) राजा विक्रमादित्य ने ब्राम्हण सदानंद को दान देने के लिए क्या किया ? (2)

5) सदानंद के पुत्रो में श्रम का महत्व को कैसे जाना ? (2)

Question 4

प्रश्न 4 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए –

प्रश्न 1) भाववाचक संज्ञा बनाइए। (1)

गोठा, हिंसक

2) किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए । (1)

कपूत, समिप, सम्मुख, स्वदेशी

3) निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए । (1)

अपमान, दया

4) किसी एक शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए । (1)

तालाब, कोयल, समुद्र

5) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए । (1)

आँखे फेर लेना, दाँत खट्टे करना ।

6) कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए । (3)

क) बच्चा बिना किसी को साथ लिए अकेला ही सड़क पर चला गया। (वाक्य को शुद्ध करके लिखिए।)

ख) महादेवी वर्मा ने सुंदर कविताएँ लिखी है। ("द्वारा… "शब्द का प्रयोग कीजिए।)

ग) उसने बैग उठाया और अंदर आ गया। (सरल वाक्य बनाइए।)

खंड - स (हिन्दी साहित्य)

(किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। पठित दोनों पुस्तकों में से एक एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है)

साहित्य सागर (कहानियाँ)

Question 5

प्रश्न 5 निम्नलिखित गद्यांश को पढिए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए ।

"ठाकुर साहब बड़े वर्ष संकट में थे कि इसका विवाह कहाँ करें।"

प्रश्न 1) ठाकुर साहब कौन थे ? उनका परिचय दिजिए। (2)

2) धर्म संकट किस पर आया था तथा किस रुप में ? (2)

3) 'इसका विवाह से क्या तात्पर्य है ? किसके विवाह की बात कर रही है तथा उसका विवाह किसको तथा किस कारण हुआ ?

4) विवाहिता का अपने देवर से किस बात पर झगड़ा हुआ ? उसने विवाह किससे बना लिया है?

Question 6

प्रश्न 6 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए।

अकस्मात शुभ कार्य में विघ्न की तरह उस रुप धारण किए हुए व्रश्वेश्वर कहाँ आ घुसे ।

प्रश्न 1) शुभ कार्य और विघ्न शब्दों का प्रयोग किस किस संदर्भ में किया गया है ? (2)

2) विश्वेश्वर उग्र क्यों थे ? (2)

3) वहाँ कौन – कौन थे ? वे वहाँ क्या कर रहे थे और क्यों ? (2)

4) विश्वेश्वर ने धमकाकर किससे, क्या पूछा तथा उन्हें असलियत का पता कैसे चला? उसका उन पर क्या प्रभाव पड़ा ? (3)

Question 7

प्रश्न 7 निम्नलिखित गद्यांश को पढिए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर हिंन्दी में लिखिए ।

"हजूर मान जाइए। आप जगहों, आपने मेरा काम मुफ्त किया ।"

प्रश्न 1) प्रस्तुत वाक्य कब, किसके द्वारा और किसके लिए प्रयोग हो रहा है ? (2)

2) यह वाक्य किसने सुना तथा क्या सोचा ? (2)

3) उपरोक्त वाक्य किसने , किसको बताया और उसे उसके बारे में क्या बात ज्ञात हुई?(3)

4) लेखक ने इस कहानी में किस प्रकार की सामाजिक व्यवस्था पर व्यंग्य किया है ? (3)

<u>साहित्य सागर (पद्य विभाग)</u>

Question 8

प्रश्न 8 निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए ।

मैया मेरी, चंद्र खिलौना लैहों।

धोरी का पय पान न करिहों, तेनी किसर न गुथैहों ।

मोविन माल न थरिहों उस पर झुगंली कंठ से लैहों।
जैहों लौट अर्वाड धरनी पर, तेरी गोइ न ऐही।
लाल कहैडों नंद बाबा को तेरा सुत न कहैहीं।
कान लाय कछु वाहत जसोदा, दाउहिं वाहिं सुनैहीं।
चंदा हूँ ते अति सुंदर तोहिं नवल दुलहनिया कौहों ।
तेरी सौ मेरी तुन मैया, अबहीं ब्याहन जैहीं।
सुरदान सब सखा बसती, तुतन मंगल गैहौं ।

प्रश्न 1) बाल कृष्ण क्या हठ कर रहे है ? इठ पूरी करवाने के लिए वे क्या क्या करने से मना कर देते है ? (2)

2) बाल कृष्णं ने अन्त में अपना इस पूरा न होने पर क्या धमकी दी ? (2)

3) यशोदा मँा ने कृष्ण की बाते सुनकर क्या किया ? यशोदा मँा की बात का बाल कृष्ण पर क्या प्रभाव पड़ा और उन्होंने मँा से क्या कहा ? (3)

4) अर्थ लिखो – बेरी, उर, धरती, नबल, सत, झुंमली।

Question 9

प्रश्न 9 निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए ।

उँचा उड़ा हिमालय, आकश चूमता है,
नीचे चरण तले पड़ नित सिंधु झूमता है,
गंगा, यमुना, त्रिवेणी, नदियाँ लहर रही है।
जगमग छटा निराली, पग पर पर छहर रही है।
वह पुण्यभूमि मेरी, वह स्वर्णभूमि मेरी।
यह जन्मभूमि मेरी, वह मातृभूमि मेरी।

प्रश्न 1) कवि ने भौगोलिक दृष्टि से भारत की प्रशंसा किस प्रकार की है ? (2)

2) नदियों का क्या महत्व है ? त्रिवेणी से आप क्या समझते है ? यह कहाँ पर है (2)

3) पुण्यभूमि और स्वर्णभूमि कहने का कवि का क्या तात्पर्य है ? स्पष्ट कीजिए । (3)

4) कविता का केन्द्रिीय भाव लिखिए। (3)

Question 10

प्रश्न 10 निम्नलिखित पद्यांश को पढिए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए ।

गुरु गोविन्द दोऊ खड़े काके लागू पाँय ।
बलिहारी गुरु आपनो, जिन गोविन्द दियी बताय ।।
जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि है मैं नाहि।
प्रेम गली अति साँकरी, तामे दो न समाहि।।

प्रश्न

1) गुरु और गोविन्द में से कवि ने किसे बड़ा बताया है और क्यों ? (2)

2) जब मैं था.. मैं नहि पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। (2)

3) प्रेम गली की क्या विशेषता होती है ? ईश्वर प्राप्ति के लिए किस बात का त्याग आवश्यक है ? (3)

4) अर्थ लिखिए – नौकरी, मैं, दोऊं, हरि, बलिहारी, काके (3)

....

This Sample paper is part of **Exam18's ICSE 10th Prelim Papers of Best Schools for 2018 Board Exams (All Subjects) book**, available exclusively on Exam18.com

Do you want to score 90%+ in Board Exams?

Get all the papers and start practicing →

(clicking on this link will take you to www.exam18.com)

Depending on how much you wish to practice, this book is available in multiple options.

You can get question papers in sets of 5 schools, 10 schools, 15 schools or 20 schools.

PRICING

<table>
<tr><th>SR. NO</th><th>NO. OF SCHOOLS</th><th>DIGITAL DOWNLOAD (PDF)</th><th>PRINTED BOOK</th><th>ORDER NOW</th></tr>
<tr><td>1</td><td>5 Schools
50+ Question Papers</td><td>Rs. 249
Download Instantly</td><td>Rs. 499
FREE delivery across India</td><td rowspan="4">Payment Options
• COD
• Debit Card
• Credit Card
• Net Banking
• Bank deposit

Delivery Time
2 – 4 days across India</td></tr>
<tr><td>2</td><td>10 Schools
100+ Question Papers</td><td>Rs. 499
Download Instantly</td><td>Rs. 999
FREE delivery across India</td></tr>
<tr><td>3</td><td>15 Schools
150+ Question Papers</td><td>Rs. 749
Download Instantly</td><td>Rs. 1499
FREE delivery across India</td></tr>
<tr><td>4</td><td>20 Schools
200+ Question Papers</td><td>Rs. 999
Download Instantly</td><td>Rs. 1999
FREE delivery across India</td></tr>
</table>

ORDER NOW

MORE INFORMATION ABOUT PRELIM PAPERS

WHAT ARE PRELIM PAPERS?

ICSE Prelim papers are question papers from pre-board exams conducted in various ICSE schools few months before the final board exam. These question papers provide a great way to practice questions that are expected to come in the Board exams.

WHO PREPARES THESE PRELIM PAPERS?

Prelim papers are prepared by senior teachers of ICSE Schools who are experts in their subjects and have vast knowledge about ICSE Board Exam trends and paper patterns. They have been teaching for over 15 to 20 years and preparing their students to score best overall percentage.

HOW DOES PRELIM PAPERS HELP?

Prelim Papers brings together all the rich experience and expertise of these teachers to you so you can struggle less and study the right thing for your board exams. They cover many questions that are usually not found in textbooks (Ever wonder where your teachers get those tricky questions in class tests? That's right, it is most likely from these Prelim Papers!). Having this book with you while you study for board exams is very helpful because you can go over all the possible questions in this book after studying a chapter to make sure you didn't miss something.

The questions are usually given in variety of *tricky, twisted and turned around ways*, showing the type of questions you might expect in your exam, and allow you to practice answering them to avoid surprises in the final board exam. It will also bring you lot of confidence and positive energy to do well in your board exams. Who doesn't want that?

HOW MUCH CAN I SCORE WITH PRELIM PAPERS?

Most students who prepare for Board Exams with help of prelim papers score above 90% in Board exams.

WHICH SUBJECTS ARE INCLUDED?

Subjects such as English Language, English Literature, Mathematics, History/Civics, Geography, Physics, Chemistry and Biology are included in this ICSE Prelim Papers package. There are also some question papers of Computer Applications, Commercial Applications, Environmental Science, Art, Technical Drawing, Physical Education

WHY IS THIS BOOK CALLED A PACKAGE?

When you buy a book from Exam18, it doesn't end there. Our goal is to make sure you use the book effectively and we assist you do it well with the help of special tips, tricks and guidelines sent via Email and SMS periodically until the Board Exams. Also, our Student Support Team is available 24×7 to help you make the best out of your Exam18 books. This all-inclusive product and service is called a package. The cost given here includes everything, even delivery fee.

Any questions? Call our Helpline 07666303006 or email us on care@exam18.com

Do you want to score 90%+ in Board Exams?

ORDER ALL THE PAPERS AND START PRACTICING →

(clicking on this link will take you to www.exam18.com)

exam18 study differently

FREE DELIVERY ACROSS INDIA

NO HIDDEN CHARGES

DELIVERY GUARANTEED IN 2-4 DAYS

CASH ON DELIVERY AVAILABLE

100% SAFE & SECURED

OUR OFFICE IS IN MUMBAI